वार्तालाप-629, मुम्बई, दिनांक 14.09.08
Disc.CD No.629, dated 14.09.08 at Mumbai

समयः 00.18-05.48

जिज्ञासुः बाबा, शास्त्रों को पढ़ने से दुर्गति होती है। बेहद के शास्त्र क्या हैं?

बाबाः बेहद के शास्त्र कौनसे हैं? हँ? (जिज्ञासुः मुरलियाँ हमारे ब्राह्मणों की दुनिया में।) हाँ, वो मुरलियाँ थर्ड क्लास, फर्स्ट क्लास या सेकण्ड क्लास? (सबने कहा - थर्ड क्लास।) तो थर्ड क्लास माल से सद्गति हुई? हँ? और वो भी जो बाप, टीचर, सद्गुरु का पार्ट है, उससे सद्गति होती है या अन्य पार्टधारियों से सद्गति होती है? (जिज्ञासु - बाप, टीचर, सद्गुरु।) हँ? एक ही है। कोई दूसरा नहीं है सद्गति करनेवाला। बाकि जो भी है वो नम्बरवार दुर्गतिदाता है। और एक सद्गतिदाता है। चाहे वो ब्रह्मा ही क्यों न हो, अगर ब्रह्मा बाबा का साकार स्वरूप सद्गति दाता होता तो भक्तिमार्ग में मन्दिरों में पूजा होती, मन्दिर बनाए जाते, ब्रह्मा की मूर्तियाँ बनाई जातीं। क्यों नहीं बनाई गई? क्यों नहीं बनाई गई? क्योंकि ब्रह्मा द्वारा जिन शूद्रों को ब्राह्मण बनाया गया उन ब्राह्मणों की दुर्गति हुई। कब तक दुर्गति हुई? हँ? अरे रात में दुर्गति होती है या दिन में दुर्गति होती है? (सभी ने कहा - रात में।) वो कब तक दुर्गति हुई? सेवेंटी सिक्स हुआ घोर अंधियारी रात। विदेशी ही बाप को पहचानते हैं। तो रात के बारह बजे विदेशियों का दिन शुरु होता है। क्या?

Time: 00.18-05.48

Student: Baba, reading of scriptures leads to degradation (*durgati*). What is meant by scriptures in the unlimited?

Baba: Which are the scriptures in the unlimited? (Student: The murlis of our Brahmin world.) Yes, so, are those murlis *third class*, *first class* or *second class*? (Students: Third class.) So, will we attain true liberation (*sadgati*) through the *third class* material? And even in that case, is the *sadgati* brought about through the one who plays the *part* of the Father, *Teacher* and the *Sadguru* or through the other actors? (Student: Through the Father, Teacher and *Sadguru*.) There is only one [personality]. There is no one else who brings about the true liberation. All the others are the ones who bring about degradation number wise (more or less) and the One is the Giver of true liberation. It doesn't matter, if he is Brahma, had the corporeal form of Brahma Baba been the Giver of true liberation then he would have been worshipped in the temples in the path of *bhakti*; his temples would have been constructed; idols of Brahma would have been made. Why they were not prepared? It is because the *Shudras*[1] who were made into Brahmins by Brahma degraded. Until when did they degrade? *Arey,* do they degrade in the night or in the day? (Everyone said - In the night.) Until when did they degrade? Seventy six was the completely dark night. It is the *videshi* (foreigners) who recognize the Father. So, the day for the foreigners begins at midnight. What?

कौनसे विदेशियों की बात है? जो अपने धरम में पक्के हैं उनकी बात है या जो कनवर्ट होने वाले विदेशी ब्राह्मण बनते हैं उनकी बात है? इस्लाम धर्म, बौद्धी धर्म, क्रिश्चियन धर्म, इनमें कनवर्ट होने वाले जो सब धर्मों के बीज हैं उन विदेशियों की बात है। वो बाप को पहले

[1] Untouchable; member of the fourth and the lowest division of the Indo-Aryan society

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

पहचानते हैं। उस समय टाइम क्या होता है? रात्रि का बारह बजे। बाप का प्रत्यक्षता वर्ष। उससे पहले दुर्गति या सद्गति? (सभी ने कहा - दुर्गति।) 500-700 [करोड़] की बाहर की दुनिया की तो दुर्गति होती है। लेकिन ब्राह्मणों की भी सारी दुनिया की दुर्गति होती है। जो सूर्यवंशी बनने वाले बच्चे हैं सन् 76 से पहले उनकी दुर्गति होती है या सद्गति होती है? उनकी भी दुर्गति कहेंगे। ये दुर्गति काहे से हुई? हँ? शास्त्र भी पढ़ते हैं तो बिना समझे, बिना जाने। और ब्रह्मा मुख से जो मुरलियाँ निकलीं वो भी पढ़ते हैं तो उनके अर्थ को बिना जाने, बिना समझे पढ़ते रहते हैं। तो बेसमझी से दुर्गति होगी या सद्गति होगी? दुर्गति होती जाती है। अभी भी जो बेसमझी से मुरलियाँ पढ़ रहे हैं, वेदवाणी जो ब्रह्मा के मुख से निकली हुई बताई जाती है, ब्रह्मा के मुख से वेद निकले। उन वेदों की ऋचाओं को जो बेसमझी से पढ़ते रहते हैं चाहे वो हद की हों ऋचाएं और चाहे ब्राह्मणों की दुनिया की बेहद की ऋचाएं हों, उनसे दुर्गति हो रही है या सद्गति हो रही है? उन बेसिक ब्राह्मणों की भी दुर्गति हो रही है। कोई ठिकाना बुद्धि को नहीं मिल रहा है। और?

It is about which *videshis*? Is it about those who are firm in their religion or is it about the *videshi* who convert and become Brahmins? It is about the *videshis* who are seeds of all the religions, who *convert* to Islam, Buddhism, and Christianity. They recognize the Father first. What is the time then? Twelve o'clock in the night [is] the year of revelation of the Father. Was it *durgati* or *sadgati* before that? (Everyone said - *Durgati*.) The outside world consisting of 500-700 [crore souls] certainly degrades but the entire world of Brahmins also degrades. Do the children who become *Suryavanshi*[2] undergo degradation or *sadgati* before the year 76? They will also be said to have undergone degradation. Why was this degradation caused? Even if they read the scriptures, [they read it] without understanding, without knowing. And even if they read the murlis that came out from the mouth of Brahma, they read them without knowing, without understanding their meaning. So, does ignorance brings degradation or *sadgati*? They keep degrading. Even now those who are ignorantly reading the murlis that are said to be *Ved vaani* which came out from the mouth of Brahma. Vedas emerged from the mouth of Brahma. Those who keep reading the *richaas* (verses) of those Vedas ignorantly, whether they are the *richaas* in the limited or the *richaas* of the Brahmin world in the unlimited, are they bringing about the degradation or *sadgati*? Those Brahmins in the basic [knowledge] are also undergoing degradation. The intellect is not able to find any destination.

समयः 05.53-06.52

जिज्ञासुः बाबा, कौरवों-पाण्डवों में जुआ खेलते हैं। माना पाण्डव एक भी बार नहीं जीतते, कौरव ही जीतते रहते हैं।

बाबाः अभी क्या हो रहा है? तन, धन, धाम, सुहर्द, परिवार, अभी बाजी लगा रहे हैं कि नहीं पाण्डव? बाजी तो लगाय रहे हैं। लेकिन अभी हार हो रही है या जीत हो रही है? (जिज्ञासु - हार।) अभी भी हार हो रही है। अरे भगवान बाप जब प्रत्यक्ष होवे तो हार को जीत में बदल देगा।

[2] Those belonging to the Sun dynasty

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः 13 साल का, 14 साल का बनवास दिया फिर भी वापस आते बाबा वो फिर भी भी वो देना नहीं चाहते कौरव माना।

बाबाः तो यहाँ क्या देना चाहते हैं? हँ?

जिज्ञासुः यहाँ भी देना नहीं चाहते।

बाबाः फिर? और?

Time: 05.53-06.52
Student: Baba, Kauravas[3] and Pandavas[4] play the game of gambling. I mean to say, the Pandavas do not win even once and only the Kauravas keep winning.
Baba: What is happening now? Are not the Pandavas putting the body, wealth, house, friends and family at stake? They are certainly putting them at stake now. But are they losing or winning now? (Student: Losing.) Even now they are losing. *Arey*, when God the Father is revealed then he will change defeat into victory.
Student: They were sent to reside in a forest region (*vanvaas*) for 13, 14 years, but Baba, even when they come back , they, the Kauravas do not wish to give them [the property back].
Baba: So, do they wish to give here?
Student: They do not wish to give here as well.
Baba: Then?

समयः 06.58-12.38

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में आया है श्री कृष्ण की आत्मा भी संदीपनी से पढ़ती है, और राम का भी गुरु होता है वशिष्ठ। और दूसरी तरफ बोला है कि शंकर के लिए बोला है कि वो किसी से पढ़ता नहीं है। ये बात कैसे साबित होती है?

बाबाः शंकर किसे कहा जाता है? (जिज्ञासु - तीन आत्माओं का काम्बिनेशन।) हँ? शंकर माना तीन आत्माओं का संकरण। शिव का, ब्रह्मा का, चन्द्रमा का और जिसका शरीर है, राम वाली आत्मा का। तो वो तो एक ही व्यक्तित्व है। जो व्यक्ति कहा जाता है वो शरीरधारी को कहा जाता है या प्रवेश करने वाले को कहा जाता है? शरीरधारी को व्यक्ति, पर्सन कहा जाता है। तो वो किससे बैठ पढ़ता है? कोई है साकार में दुनिया में? हँ? अरे, दुनिया में साकार ऐसी आत्मा है, कोई पर्सनालिटी है, कोई दुनिया का व्यक्तित्व है जो उसको पढ़ाई पढ़ा सके, समझाय सके? उससे सारी दुनिया समझती है। ब्राह्मणों की बेहद की दुनिया भी उससे समझती है और 500 करोड़ की दुनिया भी, उनका टीचर मूल रूप में एक ही है। उसको कोई नहीं पढ़ाय सकता। उसको कहते ही हैं सुप्रीम टीचर, सुप्रीम गुरु जिसे सद्गुरु कहा जाता है। सद्गति करने वाला जो गुरु होगा वो साकार होगा या निराकार होगा? (जिज्ञासु - साकार।) साकार ही होना चाहिए। नहीं तो निराकार सद्गति कैसे करेगा?

Time: 06.58-12.38
Student: Baba, it has been mentioned in the murli that the soul of *Shri* Krishna studies from [the sage] Sandipani and Ram also has a guru named Vashishtha. And on the other hand it has been said for Shankar that he does not study from anyone. How is this point proved?

[3] The descendants of Kuru
[4] The descendants of Pandu

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Who is called Shankar? (Student: Combination of three souls.) Shankar means the combination of three souls. [Combination of] Shiv, Brahma [i.e.] the Moon, and the soul of Ram to whom the body belongs. So, that is only one personality. Is the bodily being called a person or is the one who enters called this? The bodily being is called a *vyakti*, a *person*. So, from whom does he sit and study? Is there anyone in the corporeal form in the world? *Arey*, is there any soul in the corporeal form in the world, is there any *personality* in the world who can teach him or explain [the knowledge] to him? The entire world understands through him. The unlimited world of Brahmins also understands through him and the *teacher* of the world consisting of 500 crore [souls] in the original form is also just one. Nobody can teach him. He is certainly called the *Supreme Teacher*, *Supreme* Guru who is called the *Sadguru*. Will the guru who brings about the *sadgati* be corporeal or incorporeal? (Student: Corporeal.) He should certainly be corporeal. Otherwise, how will the incorporeal one bring about the *sadgati*?

निराकार सिर्फ निराकारी आत्माओं माने मन-बुद्धि की सद्गति कर सकता है ज्ञान से। लेकिन पांच तत्वों की सद्गति कैसे होगी? 5 तत्व तो जड़ होते हैं। और 5 तत्वों से बना हुआ ये शरीर भी जड़ है। वो 5 तत्व ज्ञान को समझने वाले नहीं हैं। परन्तु प्रकृति का जब तक सुधार नहीं हुआ है, 5 तत्वों के संघात प्रकृति की जब तक सद्गति नहीं हुई है तब तक दुनिया की सद्गति नहीं हो सकती। तो वो सुप्रीम गुरु भी एक ही है, दो नहीं हो सकते। इसलिए ये ठीक है कि शंकर को पढ़ाई पढ़ाने वाला कोई? हँ? कोई पर्सनालिटी इस दुनिया में नहीं है। राम वाली आत्मा को तो यज्ञ के आदि में पढ़ाई पढ़ाने वाले हुए। सन् 76 से पहले पढ़ाई पढ़ी कि नहीं राम वाली आत्मा ने? (जिज्ञासु पढ़ी।) किससे पढ़ी? हँ? राम कहा किसको जाता है? फेल होने वाले को राम कहा जाता है या पास होने वाले को राम कहा जाता है? (जिज्ञासु - फेल।) तो राम ने तो पढ़ाई पढ़ी ना। और कृष्ण वाली आत्मा ने ब्रह्मा ने भी पढ़ाई पढ़ी कि नहीं किसी से, साकार से? (जिज्ञासु - पढ़ी।) कब? यज्ञ के आदि में कोई से पढ़ाई पढ़ी। इसलिए मुरली में पूछा है - ब्रह्मा का बाप कौन? माना ब्रह्मा का भी कोई बाप, टीचर, सद्गुरु बनता है। उस बाप के बगैर ब्रह्मा की भी सद्गति नहीं हो सकती। इसलिए न विष्णु को शिव के साथ मिलाया जाता है, न ब्रह्मा को शिव के साथ मिलाया जाता, कोई भी 33 करोड़ देवताओं को शिव के साथ नहीं मिलाते हैं। सिर्फ एक शंकर को ही शिव के साथ मिलाते हैं। शिव शंकर भोलेनाथ कहा जाता है। और?

The Incorporeal one can bring about the *sadgati* of only the incorporeal souls, meaning the mind and intellect through knowledge. But how will the *sadgati* of the five elements be brought about? The five elements are inert. And this body made up of the five elements is inert too. Those five elements are not going to understand the knowledge. But until the nature has reformed, until the *sadgati* of the nature with the combination of the five elements is brought about, the *sadgati* of the world cannot be brought about. So, that Supreme Guru also is only the One; it cannot be two [souls]. This is why it is correct [to say] that there is no *personality* in this world to teach Shankar. As regards the soul of Ram, there were some [souls] to teach him in the beginning of the *yagya*. Did the soul of Ram study the knowledge from someone before the year 76 or not? (Student: He studied). From whom did he study? Who is called Ram? Is the one who fails called Ram or is the one who passes called Ram? (Student: The one who fails.) So, Ram did study the knowledge, didn't he? And did the soul

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

of Krishna, i.e. Brahma also study the knowledge from someone in the corporeal form or not? (Student: He studied.) When? He studied the knowledge from someone in the beginning of the *yagya*. This is why it has been asked in the murli: Who is Brahma's Father? It means that someone becomes the Father, *Teacher* and *Sadguru* of Brahma as well. Even Brahma cannot achieve *sadgati* without that Father. This is why neither Vishnu is combined with Shiva nor is Brahma combined with Shiva. None of the 33 crore (330 million) deities are combined with Shiva. Only one Shankar is combined with Shiva. It is said: Shiva Shankar Bholenath (the Lord of the innocent ones).

समयः 12.41-15.30

जिज्ञासुः बाबा, अभी जेनेवा में जो महाप्रयोग हुआ उसमें वैज्ञानिक कह रहे थे कि अभी ब्रह्मा की सृष्टि ब्रह्मा ही बचाएंगे। ब्रह्मा की सृष्टि बनाई हुई है तो ब्रह्मा ही बचाएंगे। लेकिन उन्होंने नटराज की मूर्ति रख दी। ऐसे क्यों?

बाबाः तो? जो भी ब्रह्मा के मुख हैं उमें नटराज का पार्ट बजाने वाला कोई मुख नहीं है क्या? हँ? कौन होगा? नटराज का पार्ट बजाने वाला मुख वो ही मुख हो सकता है जिस मुख को काट दिया गया। देह रूपी मिट्टी से अलग कर दिया गया। वो ही नटराज का पार्ट बजाता है। नट माने डांस करने वाला। डांस करने वालों का राजा। कैनसा डांस? शरीर का डांस? ज्ञान डांस करने वालों का राजा। ऐसा भी एक टांग से डांस करता है। डबल टांग नहीं होती है। डबल टांग हो जाती है तो पालना करता है, पालनहार है। जब एक टांग से डान्स करता है तो? तो विनाश करता है। ये धरमपिताएं जो हैं, जो भी धरमपिताएं इस सृष्टि के हैं दूसरे-दूसरे धर्मों के वो एक टांग वाले हैं या प्रवृत्तिमार्ग वाले हैं? (सभी ने कहा - एक टांग वाले।) एक टांग वाले हैं। तो दुनिया के विनाश के निमित्त बनते हैं या नई दुनिया स्थापन करने के निमित्त बनते हैं? (सबने कहा - विनाश।) नहीं। पवित्र प्रवृत्तिमार्ग से नई दुनिया की स्थापना और पालना होती है। और निवृत्तिमार्ग है इम्प्योरिटी का मार्ग। उससे विनाश होता है, विघटन होता है। और?

Time: 12.41-15.30

Student: Baba, in the mega experiment that took place in Geneva now, the scientists were telling that now Brahma alone will save his world. When the world has been created by Brahma, Brahma himself will save it. But they placed an idol of Natraj[5]. Why is it so?

Baba: So? Among the faces of Brahma, isn't there any face that plays the *part* of Natraj? Who will it be? Only that face that was cut can be the face that plays the *part* of Natraj which was cut. It was separated from the soil like body. He alone plays the *part* of Natraj. *Nat* means a dancer, the king of the dancers. Which dance [is it about]? Is it the bodily *dance*? The king of those who perform the *dance* of knowledge. He also dances on one leg in this way. *Double* legs (both the legs) are not used. When he uses *double* legs, he sustains [the world], he is the one who nurtures. When he dances with one leg he causes destruction. Do these religious fathers, all the religious fathers of this world belonging to other religions have one leg or do they belong to the path of household? (Everyone said - They have one leg.) They have one leg. So, do they become instrument in causing the destruction of the world or do they become the instrument to establish the new world? (Students: Destruction.) No. The

[5] King of dance; a title of Shiva

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

establishment and sustenance of the new world takes place through the household path. And the path of renunciation is the path of impurity. It causes destruction, disintegration.

समयः 15.35-17.12

जिज्ञासुः बाबा, कुबेर की आत्मा जिसको बताया गया, जिसके हाथ में अथॉरिटी दिया है पूरा ज्ञान की, संभाल करने की चाबी दिया गया है, उस आत्मा का पुरूषार्थ क्या होगा?

बाबाः कितने सबजेक्ट हैं? (जिज्ञासु - चार।) हाँ, उनमें मुख्य पुरुषार्थ कराने का पुरुषार्थ कौनसा है? (जिज्ञासु - याद।) उस याद का तेज जिसमें सबसे जास्ती भरा हुआ हो उस तेज का नाम शास्त्रों में क्या पड़ गया? काशी। जिस काशी शब्द से ही बना हुआ है काश्य। उस काश्य को पीने वाले है कश्यप। एक कश्यप ऋषि भी हुए। और उनके मुकाबले विरोधी पार्ट बजाने वाला भी हुआ। उसका नाम क्या है? हिरण्याकश्यप। उसमें विशेष पुरुषार्थ क्या हुआ काशी नगरी में? (जिज्ञासु - याद।) याद का तेज पीने वाली। तो जरूर ऐसा पुरुषार्थ भी चल रहा होगा।

Time: 15.35-17.12

Student: Baba, the one who is said to be the soul of Kuber[6], the one who has been given the authority, the responsibility of taking care of knowledge, what will be the *purushaarth* (spiritual effort) of that soul?

Baba: How many subjects are there? (Students: Four.) Yes. Among them which *subject* involves the main *purushaarth*? (Students: Remembrance.) What is the name given in the scriptures to the one who is filled with the maximum luster of remembrance? Kashi. It is from the word Kashi that the word *kaashya* has emerged. The one who drinks (absorbs) that *kaashya* (luster) is Kashyap. There was a sage Kashyap as well and in contrast to him, there was also an actor who played an opposite *part*. What is his name? Hiranyakashyap[7]. What is the main *purushaarth* done by *Kashi nagari*? (Student: Remembrance.) The one who drinks the luster of remembrance. So, she will certainly be making such *purushaarth*.

समयः 17.18-21.00

जिज्ञासुः बाबा अंत में जो कुबेर का पार्ट चलेगा वो कितने सालों तक चलेगा? कुबेर का पार्ट कितने साल चलेगा?

बाबाः अष्ट देव कितने साल के लिए प्रत्यक्ष होते हैं? कुबेर अष्ट देवों में से एक देवता ही तो हैं। तो जो अष्ट देव हैं वो कितने साल के लिए संसार में प्रत्यक्ष होते हैं? फिर 5000 साल के लिए गुम हो जाते हैं। बताओ भाई। (किसी ने कुछ कहा।) अरे! अच्छा नई दुनिया का फाउण्डेशन जब प्रत्यक्ष होगा तो पहला पत्ता कौनसा प्रत्यक्ष होगा? हँ? कृष्ण बच्चा प्रत्यक्ष होगा।

Time: 17.18-21.00

Student: Baba, the part of Kuber that will be played in the end, for how long will it be played? For how many years will the part of Kuber continue?

[6] The deity of wealth
[7] A demon king in the mythological stories who declared himself to be God

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: For how many years are the eight deities (*ashta dev*) revealed? Kuber is certainly one among the eight deities. So, for how many years are the eight deities revealed in the world? Then they vanish for 5000 years. Tell brother. (Someone said something.) *Arey*! *Acchaa*, when the *foundation* of the new world is revealed then who will be revealed as the first leaf? Child Krishna will be revealed.

तो कृष्ण जो बच्चा है है, पहला पत्ता है, उस पत्ते को जन्म देने वाला कोई परिवार होगा या दो-चार ही होंगे? (जिज्ञासु - परिवार होगा।) परिवार होगा। वो नई दुनिया का छोटा सा मॉडल होगा। और परिपक्व आत्माओं का मॉडल होना चाहिए या धर्मराज की सज़ाएं खाने वालों का मॉडल होना चाहिए? आठ ही परिपक्व आत्माएं हैं। जो कृष्ण बच्चे के साथ-साथ प्रत्यक्ष होती हैं। जिनके लिए बोला अव्यक्त वाणी में - इन आठ को प्रत्यक्ष होने में लंबा टाइम नहीं लगेगा। क्या? जल्दी-जल्दी प्रत्यक्ष होंगे। तो कृष्ण प्रत्यक्ष होगा तो कृष्ण के साथ परिवार भी? जो परिवार के भांती हैं वो भी प्रत्यक्ष होंगे। कृष्ण कितने साल के लिए प्रत्यक्ष होगा? 18 दूनी छत्तीस। 18 साल के लिए प्रत्यक्ष होगा। सारे संसार के बीच प्रत्यक्ष होगा। अंग्रेज लोग भी उसको जानते हैं लॉर्ड कृष्ण कहते हैं। भारत में लॉर्ड कृष्ण का राज्य था। क्राइस्ट से 3000 साल पहले। तो सारी दुनिया के लोग जानेंगे। अकेले कृष्ण को जानेंगे, सिर्फ संसार सागर के बीच, वो एक पीपल के पत्ते पर कृष्ण को ही जाना जाएगा या कोई दूसरा पार्ट है? हँ? (जिज्ञासु - परिवार।) हाँ, कृष्ण के साथ पूरा परिवार भी प्रत्यक्ष होगा संसार में। मुसलमान लोग उनको कहते हैं आठ फरिश्ते। आठ फरिश्ते जब प्रत्यक्ष होंगे तो खुदा के तख्त को उठाएंगे।

So, will there be a family which gives birth to the child Krishna, the first leaf or will there be only two-four persons? (Student: There will be a family.) There will be a family. That will be a small *model* of the new world. And should it be a *model* with mature souls or should it be a *model* with those who suffer the punishments of Dharmaraj (the Chief Justice)? There are only eight mature souls who are revealed along with the child Krishna. It has been said for whom in an avyakt vani: It will not take a long *time* for the revelation of these eight [souls]. What? They will be revealed in quick succession. So, when Krishna is revealed then along with Krishna, the family, the members of the family will also be revealed. For how many years will Krishna be revealed? Eighteen multiplied by two equals to thirty six. He will be revealed for eighteen years. He will be revealed in the entire world. The English people also know him; they call him Lord Krishna. There was the kingdom of Lord Krishna in India 3000 years before Christ. So, the people of the entire world will come to know. Will they recognize Krishna alone, will they recognize only Krishna on a fig (*piipal*) leaf in the ocean like world or is there some other *part* [as well]? (Student: There is the family.) Yes, the entire family will also be revealed in the world along with Krishna. Muslims call them (the eight deities) as the eight angels. When the eight angels are revealed, they will lift the throne of *Khuda* (God).

समयः 21.06-23.58

जिज्ञासुः बाबा, पंजाब ने सच्ची सेवा की है। ऐसा अव्यक्त वाणी में आया है।

बाबाः पंजाब? पंजाब? (जिज्ञासु - हाँ।) ये उस समय की बात है जिस समय बोला गया कि सन् 83 चल रहा है तो सन् तिरासी में कोई तेरा होना चाहिए ना। माना तिरासी से पहले

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जितने भी सरेंडर हुए वो तेरा नहीं बने। बने या नहीं बने? हँ? (एक माता ने कहा - नहीं बने।) नहीं बने? अगर चन्द्रमणि दादी जिन्दा होती तो उनके सामने बोलते?☺ क्यों नहीं बने? (जिज्ञासु : बाप नहीं था।) उस समय बाप प्रत्यक्ष ही नहीं था। इसलिए बनने का सवाल ही नहीं। बाप प्रत्यक्ष होता ही है 76-77 से। उसके बाद ही बनने का सवाल होता है। तो 83 के लिए बोला कि कोई आत्मा ऐसी निकली जो तन से, मन से, धन से समय, संपर्क और संबंधियों की बाजी लगाकर एक बाप की बन गई और उसको देखकरके और भी सैंकड़ों निकल पड़े। जो भी सरेण्डर हुए वो कोई को देखकरके और भी सैंकड़ों निकल पड़े। जो भी सरेण्डर हुए वो कोई को देखकरके सरेण्डर हुए या ऐसे ही सरेण्डर हो गए? (जिज्ञासु - देखकरके।) कोई को देखा कि ये बाप का बन गया तो हम क्यों नहीं बन सकते? तो वो आत्मा कौनसी स्टेट की थी? कौनसे स्टेट का खून था? पंजाब का खून था। इसलिए बोला कि पंजाब ने असली सेवा शुरू की है। पंजाब की धरणी कन्यादान में सबसे आगे चली गई।

Time: 21.06-23.58

Student: Baba, Punjab has done the true service. It has been mentioned in an avyakt vani.

Baba: Punjab? Punjab? (Student: Yes.) This is about the time when it was said: when the year 1983 (*tiraasi*) is going on then someone should become *teraa* (yours) in *tiraasi* (83), shouldn't she? It means that all those who surrendered before 1983 did not become *teraa* (yours i.e. of God). Did they become or not? (A mother: They did not.) Did they not? Had Dadi Chandramani been alive, would you have said this in front of her? ☺ Why did they not become [*teraa*]? (Students: The Father was not present.) At that time, the Father was not at all revealed. This is why there was no question of becoming [yours] at all. The Father is certainly revealed from 1976-77. The question of becoming [yours] arises only after that. So, it was said for 83 that one such soul came up who became the one belonging to the One Father by putting the body, mind, wealth, time, contacts and relatives at stake and hundreds of other [souls] also came up by seeing her. All those who surrendered, did they *surrender* after seeing someone or did they *surrender* simply? (Student: After seeing someone.) They saw someone [and thought]: this one has become the one belonging to the Father, then why can't we? So, to which *state* did that soul belong? She had the blood from which *state*? She had the blood from Punjab. This is why it was said that Punjab has started the true service. The land of Punjab went ahead of all in *kanyaadaan*[8].

समयः 24.06-28.00

जिज्ञासुः बाबा, एकलिंगी में शिव का मन्दिर है। चार मुख दिखाया है। (बाबाः हाँ, जी।) वो चार मुख कौनसे हैं?

बाबाः ब्रह्मा के कितने मुख दिखाए जाते हैं? (सबने कहा - चार।) चतुरानन कहा जाता है। लेकिन मन्दिर जब बनाया जाता है तो एक ही मुख दरवाज़े के सामने होता है या सारे ही मुख दरवाज़े के सामने होते हैं? (सभी ने कहा - एक ही होता है।) रावण के सारे मुख सामने दिखाए जाते हैं। लेकिन शिवलिंग में जो अनेक मुख दिखाए जाते हैं उनमें एक है सामने की ओर जो सारी दुनिया का सामना करता है। बाकी आजू-बाजू हो जाते हैं। कोई तो पीछे के ही ओर भाग जाते हैं। ये किसका पार्ट है? ये एक ही पार्टधारी है जो मन्दिर में सामने वाला मुख

[8] The custom of giving of one's daughter in marriage

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

दिखाया जाता है। कंपिल में भी चौमुखी महादेव बना हुआ है। चार मुख दिखाए गए। तो चारों ही ब्रह्मा का पार्ट बजाने वाली जो आत्माएं हैं वो शिव के सहयोगी बनते हैं या नहीं बनते हैं? बनते तो हैं। लेकिन रावण को मुख दिखाए जाते हैं। और विष्णु को भुजाएं दिखाई जाती हैं। क्यों?

Time: 24.06-28.00

Student: Baba, there is a temple of Shiva at *eklingi* (name of a place). Four faces have been shown. (Baba: Yes.) Which are those four faces?

Baba: How many faces is Brahma shown to have? (Students: Four.) He is called *Caturaanan* (the one with four faces) but when [his] temple is constructed, does only one face faces the door [of the temple] or do all the faces face the door? (Everyone said: Only one [face].) All the faces of Ravan are shown to be in the front. But among the several faces shown in the *Shivling*, one [face] is in the front which faces the entire world. The remaining faces face sideways. One [face] goes absolutely backwards. Whose *part* is this? There is only one actor who is shown as the face facing the front side in the temple. There is [a temple of] four faced Mahadev in Kampil as well. Four faces have been depicted. So, do all the four souls who play the *part* of Brahma become helpful to Shiva or not? They do become [helpers]. However, Ravan is shown to have [many] faces and Vishnu is shown to have [many] arms. Why?

विष्णु और विष्णु की भुजाएं सहयोगी साबित होती हैं भगवान की। और जो अधूरा पार्ट बजाने वाले ब्रह्मा और ब्रह्मा की आत्माएं हैं, जो सन्मुख हो के पार्ट नहीं बजाय सकती वो कुछ न कुछ विरोधी संकल्प करने वाली भी होती हैं। विरोधी कर्म करने वाली होती हैं। विरोधी वाचा बोलने वाली भी होती हैं। लेकिन होती जरूर हैं। अंत में उनका भी पार्ट है ब्रह्मा सो? विष्णु बनने का। नाम एक लिंग रख दिया है। इसका मतलब चार आत्माएँ हैं पार्ट बजाने वाली, चार ब्रह्मा के रूप हैं प्रैक्टिकल में साकार में पार्ट बजाने वाले होंगे या निराकार में? (जिज्ञासु -साकार में।) साकार में। तो चार ब्रह्मा का चार लिंग होंगे या एक ही लिंग होगा? कितने लिंग होंगे? चार लिंग होने चाहिए। चार लिंग नहीं कहते। तीन लिंग नहीं कहते, दो लिंग नहीं कहते। उनमें सिर्फ एक ही लिंग ऐसा है जो लिंग रूप स्टेज में रहकरके पार्ट बजाता है। इसलिए एक लिंग भगवान गाया हुआ है। और?

Vishnu and the arms of Vishnu prove to be God's helpers. And Brahma and the souls of Brahma who play an incomplete *part*, who cannot play a *part* being face to face, they also have opposite thoughts to some extent. They perform actions opposite [to that said by the Father]. They also speak opposite words. But they are certainly the ones [of that kind]. They too have a *part* of transforming into Vishnu from Brahma in the end. The name given is '*Ek ling*'. It means there are four souls who play a *part*, there are four forms of Brahma; will they be the ones who play a *part* in the corporeal form, in practice or in the incorporeal form? (Student: In the corporeal form.) In the corporeal form. So, will there be four *lings* (oblong shape) corresponding to the four Brahmas or will there be only one *ling*? How many *lings* will there be? There should be four *lings*. People don't say four *lings*. People don't say three *lings*; people don't say two *lings*. There is only one *ling* among [those *lings*] that plays the *part* being in the *stage* of a *ling*. This is why *Ek ling* (one *ling*) God is famous.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 28.04-30.24

जिज्ञासुः बाबा, कोई भी मुरली का वीसीडी चालू होता है तो उसमें योग में बाबा का दृष्टि दिखाते हैं, बाद में सभी का चेहरा दिखाते हैं। तो उसको व्यभिचारी याद और अव्यभिचारी याद कह सकते हैं?

बाबाः तुम सारी दुनिया को देखते हो कि नहीं? यहाँ क्लास में बैठे हो, तुम एक बाबा को देखते हो या क्लास में जितने बैठे हैं सबका चेहरा देखते हो? ये तुम्हारे ऊपर निर्भर है या किसी दूसरे के ऊपर निर्भर है? (जिज्ञासु - हमारे उपर निर्भर है।) तो ऐसे ही, ऐसे ही जो बाबा का टीवी दिखाया जाता है या टीवी में और जो दुनियादारी दिखाई जाती है उसमें हमारा कर्तव्य क्या है? हम किसको देखें? (सभी ने कहा - बाबा को।) एक बाबा को देखें। दूसरों को देखते हुए न देखें। ये हमारे ऊपर निर्भर है। व्यभिचारी याद करना या ... (जिज्ञासु - किसलिए लगाते हैं?) इसीलिए लगाते हैं कि सारी दुनिया के लिए बाबा की वाणी है या सिर्फ बच्चों के लिए है? ये जो वाणी चल रही है, बाप, टीचर, सद्गुरु के द्वारा जो भी बोला जाता है वो भगवानुवाच सारी दुनिया के लिए है या सिर्फ बच्चों के लिए है? सारी दुनिया के लिए है।

Time: 28.04-30.24

Student: Baba, whenever any VCD of murli is played, Baba's *drishti* in *yoga* (remembrance) is shown [at first] and then everybody's face (those sitting in the gathering) is shown. So, can it be called as *vyabhichaari* (adulterous) remembrance and *avyabhichaari* (unadulterous) remembrance?

Baba: Do you see the entire world or not? You are sitting here in the *class*; do you see Baba alone or do you see the face of all those who are sitting in the *class*? Does it depend on you or anyone else? (Student: It depends on us.) So similarly, when Baba's [class] is shown on the TV or the other worldly affairs that are shown on the TV (in the class played), what is our duty [to do] in that? Whom should we see? (Everyone said: Baba.) We should see one Baba [alone]. We should not see others even while seeing them. This depends on us. To remember in an adulterous way or … (Student: Why is it shown?) It is shown because is Baba's vani (murli) for the entire world or just for the children? The vani that is narrated, whatever is narrated through the Father, *Teacher* and *Sadguru*, are those words of God for the entire world or only for the children? It is for the entire world.

जिज्ञासुः जब बाबा की दृष्टि दिखाते हैं उसी समय सबके चेहरे दिखाते हैं।

बाबाः तो क्या हुआ? है ही सारी दुनिया के लिए वाणी।

जिज्ञासुः बाद में भी दिखा सकते है ना।

बाबाः बाद में भी दिखाई जाती है।

जिज्ञासुः दृष्टि के समय ही दिखाना है?

बाबाः हाँ, हाँ, दृष्टि के समय ही दिखाएंगे। और कहाँ दिखाएंगे? ताकि पता चले अनेकों में फंसने वाले कितने हैं और एक में फंसने वाला कौन है? ☺ अनेकों में फंसने वाला होगा, बार-बार फंसेगी दृष्टि तो प्रश्न पैदा (होगा) - ऐसा क्यों होता है? वैसा क्यों होता है? (दूसरे जिज्ञासु ने कुछ कहा।) जैसे कहते हैं माया न आई होती तो अच्छा होता। ऐसे ही ये अनेकों की दृष्टि न दी हुई होती तो अच्छा होता। ☺

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Everybody's face is shown at the same time when Baba's *drishti* is shown.
Baba: So what happened? The vani is indeed for the entire world.
Student: It can be shown afterwards, can't it?
Baba: It is shown afterwards as well.
Student: Should it be shown at the time of *drishti* only.
Baba: Yes, yes, it will be shown at the time of *drishti* only, when else will it be shown? [It is shown] so that we come to know how many are the ones who entangle in many and who is the one to entangle in the One. ☺ If he is the one who entangles in many, if his vision engrosses [in others] again and again then a question will arise: why does it happen like this? Why does it happen like that? (Another student said something.) For example, it is said, it would have been better if Maya hadn't come. Similarly, [you are thinking that] it would have been better if the *drishti* with many [people] hadn't been shown. ☺

समयः 30.29-32.12

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में आया है कि जब शिव आते हैं, शिव बाप, तो एक व्यक्ति का आधार लेते हैं जिसकी कर्मेन्द्रियाँ शीतल कराते हैं। तो वो शिव बाप का ही काम है या उस व्यक्ति का भी पुरुषार्थ है?

बाबाः अगर सारा ही शिव बाप का काम हो तो फिर बाप एक बच्चे में प्रवेश करके सर्विस करता है या अनेक बच्चों में प्रवेश करके सर्विस करता है? (सबने कहा - अनेक बच्चे।) फिर तो सबको बना दे। लेकिन ऐसा हो नहीं सकता। जो जितना करेगा उतना पावेगा।

Time: 30.29-32.12
Student: Baba, it has been mentioned in the murli that when Shiva, the Father Shiva comes, He takes the support of one person and makes his *karmendriyaan*[9] calm. So, is it the task of the Father Shiva alone or does it involve the *purushaarth* (spiritual effort) of that person also?
Baba: If it is entirely the task of Father Shiva, does the Father enter [only] one child and do *service* or does He enter many children and do *service*? (Everyone said: Many children.) Then He should make everyone [equal to Himself]. But this is not possible. Whoever does [*purushaarth*] to whatever extent, he will get [the fruits] according to it.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, संग का रंग भी तो लगता है।

बाबाः हाँ। संग का रंग किसका, साकार का लगेगा या बिन्दी का लगेगा? (जिज्ञासु - साकार को निराकार का नहीं लगता है?) साकार को निराकार का संग याद से लगता है कि बिना याद के लग जाता है?

जिज्ञासुः प्रवेश से नहीं लगता है?

बाबाः प्रवेश से संग का रंग लग जाएगा? संग जो है ढ़ाई हज़ार वर्ष की सृष्टि में साकार आत्माओं, जीवात्माओं का संग का रंग लगके नीचे गिरे हैं या निराकार का संग का रंग से नीचे गिरे हैं? (सभी ने कहा - साकार।) साकार मनुष्य भांति-भांति के संग के रंग में आए तो उनका संग का रंग लगा। ये साकार आँखें आदी हैं। जिसको देखती हैं वो याद जरूर आता है।

[9] Parts of the body used to perform actions

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

अब ये अपना-अपना पुरुषार्थ है क्योंकि ज्ञान मिला हुआ है। इन आँखों से देखते हुए भी? नहीं देखना है। जो काम की चीज़ है उसको देखना है और जो नक्कामे हैं उनको नहीं देखना है।

Second student: Baba, he is also coloured by the company.

Baba: Yes. Whose colour of the company? Will [the colour of company] of the corporeal one or of the Point be applied? (Student: Isn't [the colour of the company] of the incorporeal one applied to the corporeal one?) Is the corporeal one coloured by the company of the incorporeal one through remembrance or without remembrance?

Student: Isn't it applied by [His] entrance?

Baba: Will the colour of company be applied [just] by entering? As regards the colour of the company, have we fallen by being coloured by the company of the corporeal souls, the living souls in the world for 2500 years or have we fallen because of the colour of the company of the incorporeal one? (Everyone said: The corporeal [ones].) We were influenced by various kinds of colour of the company of corporeal human beings, thus we were coloured by their company. These corporeal eyes are habituated. They definitely remember the one whom they see. Well, it is individual *purushaarth* of everyone because we have received the knowledge: we should not see even while seeing through these eyes. We should see something that is useful and we should not see the ones who are useless.

समयः 32.18-40.18

जिज्ञासुः बाबा नंदी होता है ना शिवलिंग के सामने उसके गले में घण्ट दिखाया जाता है, घण्ट।

बाबाः क्या दिखाया? (सबने कहा - घण्टा ।) घण्टा। हाँ। कहते हैं ना गले पड़ गया। क्या? ये ब्रह्मा के बगैर सद्गति हो सकती है? नहीं हो सकती। ब्रह्मा जरूर चाहिए। क्योंकि गले में घण्ट लटका हुआ है। क्या? ये भी चाहिए। कोई हाथी, घोड़ा नहीं दिखाया जाता शिवलिंग के साथ। कौन दिखाया जाता है? (जिज्ञासु - बैल।) शंकर की जो सवारी है वो दिखाई जाती है। सारा बोझा किसके ऊपर डाल दिया जाता है? अरे, राम-सीता को दिखाते हैं कंधे पर चढ़ा हुआ, तो किसके ऊपर सारा बोझा डाल देते हैं? हनुमान के ऊपर। जो भी देवताएं हैं उनकी अपनी-अपनी सवारियाँ दिखाई गई हैं। वो अपना सारा बोझ किसके ऊपर डाल देते हैं? (जिज्ञासु - सवारी।) सवारी के ऊपर डाल देते हैं। तो शिव तो हल्का-फुल्का है। उनका वजन पड़ने की तो बात है ही नहीं लेकिन जिस मुकर्रर रथ में प्रवेश करता है उसके ऊपर सारा बोझ पड़ता है। और जो बोझ पड़ता है उस बोझ को अकेला खतम करेगा क्या?

Time: 32.18-40.18

Student: Baba, there is Nandi (a bull) in front of the *Shivling*, isn't there? A bell (*ghant*) is shown tied around its neck.

Baba: What is shown? (Everyone said: A bell.) A bell (*ghanta*). Yes. People say: a particular person is hanging around my neck[10], don't they? What? Can *sadgati* (true liberation) be attained without this Brahma? It cannot be attained. Brahma is definitely required. It is because the bell is hanging around the neck. What? He (Brahma) is also required. An elephant or a horse is not shown with the *Shivling*. Who is shown? (Students: Bull.) Shankar's vehicle (*savaari*) is shown. On whom is the entire burden placed? *Arey*, Ram and Sita are depicted to be sitting on the shoulders; so, on whom do they put their entire weight? On

[10] *Gale parnaa*: to be firmly caught

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Hanuman[11]. All the deities are shown to have their own vehicles. On whom do they put their entire burden? (Student: On the vehicle.) They put it on the vehicle. So, Shiva is certainly light. There is no question of weight being exerted by Him at all, but the entire burden falls on the permanent chariot that He enters. And will he alone end up the burden that is loaded on him?

दुनिया में कितनी भूत-प्रेत आत्माएं हैं! कितनी होंगी भूत-प्रेत बनने वाली? साढ़े चार लाख नहीं हैं भूत-प्रेत बनने वाले। जो नई दुनिया में शरीर के साथ जाते हैं वो भूत-प्रेत होते हैं क्या? (जिज्ञासु: बाबा, ब्रह्मा को भी भूत कहेंगे क्या?) अव्वल नंबर का। ☺ जो अव्वल नंबर होगा वो भूतों में सबसे बड़ा भूत होगा या छोटा-मोटा भूत होगा? (सभी ने कहा - सबसे बड़ा।) ये भूतनाथ नाम किसका है? (जिज्ञासु - बाप का।) भूतों को नाथने वाला। जैसे सोमनाथ कहा जाता है। क्या? सोमनाथ - किसका नाम है? (जिज्ञासु - चन्द्रमा।) हँ? सोम है चन्द्रमा का नाम। सोम को नाथने वाला। नाक में नथनिया डाल दे। अभी ब्रह्मा की आत्मा को नाक में नथनिया है? (जिज्ञासु - नहीं।) ब्रह्मा माने बड़ी अम्मा। तो बड़ी अम्मा को नाक में नथनिया कौन डालेगा? बड़ा बाप ही डालेगा। कंट्रोल कर लेना। भारतवर्ष में अभी भी परंपरा है। शादी करते हैं तो नाक में क्या डाल देते हैं? (जिज्ञासु - नथनिया।) नथनिया डाल देते हैं। किस बात की निशानी है? कंट्रोल में रहे। तो सोमनाथ कहा जाता है।

There are so many souls of ghosts and spirits in the world! How many souls will become ghosts and spirits? Four and a half lakh (450 thousand) do not become ghosts and spirits. Are those who go to the new world with their body ghosts and spirits? (Student: Baba, will Brahma also be called a ghost?) *Number* one. ☺ Will the one who is *number* one be the biggest ghost among all the ghosts or will he be a small ghost? (Student: The biggest ghost.) Whose name is *Bhoothnath* (the Controller of ghosts)? (Student: The Father.) [He is] the one who controls the ghosts. For example, he is called Somnath. What? Whose name is Somnath? (Student: The moon.) *Heh*! *Som* is the name of the moon. The one who controls the moon, he puts a nose-ring (*nathaniyaa*) in the nose. Is there a nose-ring in the nose of Brahma now? (Student: No.) Brahma means the senior mother. So, who will put the nose-ring in the nose of the senior mother? The senior Father Himself will put it. [It means] to *control* [someone]. There is a tradition in the Indian region to this date [that] when someone gets married, what does he put in the nose [of his wife]? (Student: A nose-ring.) They put a nose-ring. What does it signify? She (the wife) should remain under his (husband's) *control*. So, He is called Somnath.

जिज्ञासुः सबसे जास्ती सेवा तो ब्रह्मा की आत्मा करती है बाबा को कहते हैं।

बाबाः हाँ। जो देह में बंधा हुआ है वो उतनी सेवा नहीं कर सकता। जिसको अपनी देह नहीं है सूक्ष्म शरीर है...

जिज्ञासुः देह नहीं है तो बाबा ईविल सोल कहते है उसे।

बाबाः कौन है ईविल सोल?

जिज्ञासुः बाबा तो कहते हैं जिसको देह नहीं, जो भटकते हैं, दूसरों में प्रवेश करते हैं वो ईविल सोल है।

[11] A monkey faced deity

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः सोल, जो सोल है, जिनको शरीर छूट जाता है, उनमें दो प्रकार की सोलें नहीं होती हैं? एक तो फरिश्ता का पार्ट बजाने वाला, जिनका फर्श की दुनिया से कोई लगाव नहीं है। और एक वो हैं जिनका फर्श की दुनिया वालों से अतीव लगाव है। तो जिनका लगाव होगा वो दुख देने का पार्ट बजाएंगे या सुख देने का पार्ट बजाएंगे? ब्रह्मा को किस लिस्ट में रखें? (जिज्ञासु - फरिश्ता।) वो तो फरिश्ताई पार्ट है। और फरिश्तों में ज्यादा ताकत होती है, सूक्ष्म शरीरधारियों में ज्यादा ताकत होती है या स्थूल शरीरधारियों में ज्यादा ताकत होती है? इतनी ताकत है जो बड़े-बड़े वैज्ञानिक भी बड़मूला ट्रायंगल का कोई हिसाब नहीं लगा पाए हैं। दूर-दूर भागते हैं।

Student: Baba says that the soul of Brahma does the maximum service.
Baba: Yes. The one who is bound in a body cannot do much service. The one who does not have his body, he has a subtle body…
Student: Baba, if he does not have a body, he is called an evil soul.
Baba: Who is *evil soul*?
Student: Baba says that the ones who do not have a body, those who wander, those who enter [the body of] others are evil soul.
Baba: Are there not two kinds of souls among the souls who leave their body? One is the kind of souls who play the *part* of angels; they do not have any attachment for the earthly world. And the other is the kind [of souls], who have an extreme attachment for the people of the earthly world. So, will those who have attachment play a *part* of giving sorrow or will they play a *part* of giving happiness? In which *list* should Brahma be included? (Student: An angel.) He plays the *part* of an angel. And do the angels have more power, do subtle bodied beings have more power or do those with a physical body have more power? There is so much power [in the subtle bodied beings] that even the big scientists have not been able to come up to a conclusion regarding the Bermuda triangle. They run far away from it (the place).

ये 500 करोड़ की दुनिया उसमें अचानक मौत मरने वाले कितने होंगे? विनाश होगा, बड़ी-बड़ी बिल्डिंगें गिरेंगी, मल्टीस्टोरी की तो दुनिया का सबसे बड़ा विनाश होगा भूकम्प से। वो अचानक मौतें होंगी या साधारण मौत होगी? (सभी ने कहा - अचानक।) ये सब भूत-प्रेत बनेंगे नहीं तो क्या बनेंगे? और इनको कंट्रोल करने वाला कौन होगा? जरूर कोई ऐसा उनका मुखिया चाहिए। भूतनाथ कहा जाता है। शरीरधारी भूतनाथ नहीं है वास्तव में। उन भूतों को कंट्रोल करने वाला, उनसे काम लेने वाला वो भूतनाथ जो पंचभूत में विलय हो चुका है, वो ही बनता है। सबसे बड़ी सेवा साकार शरीरधारी करते हैं रुद्रमाला के मणके करते हैं या बापदादा करते हैं? (सभी ने कहा - बापदादा।) इसलिए दिखाया जाता है बैल। वो शंकर की सवारी है या शिव की सवारी है? (सभी ने कहा - शंकर।) शिव जानवर में नहीं आता। किसमें आता है? मनन-चिंतन-मंथन करने वाले मनुष्य में आता है। और मनन-चिंतन करने वालों में जो सबसे अगुआ है उसमें आता है शिव। फिर वो शंकर कहा जाता है। और शंकर अपना सारा बोझ किसपे डालता है? बैल के ऊपर डाल देता है। सारी सृष्टि का बोझ, खुद निराकारी स्टेज में मस्त रहता है। कैलाश पर्वत पर दिखाते हैं ना। खुद क्या करता है? याद में मस्त

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

रहता है। और मुख्य रुद्रगण कौन है जिसके ऊपर बोझ डालता है? नंदी। भृंगी भी मुख्य नहीं है। कौन है मुख्य? नंदी। और?

This is a world of 500 crores (five billion) [souls]; how many will die a sudden death in it? When the destruction takes place, when big buildings, multistoried [buildings] collapse, the biggest destruction of the world will take place through earthquake. Will they be sudden deaths or ordinary deaths? (Students: Sudden [deaths].) If not ghosts and spirits, what else will all these become? And who will *control* them? Definitely they require such a head [who controls them]. He is called *Bhoothnath.* The bodily being is not *Bhoothnath* in reality. The one who controls those ghosts, who achieves the purpose through them, the one who has merged into the five elements himself becomes *Bhoothnath* . Do the corporeal bodily beings, the beads of *Rudramaalaa*[12] do the biggest service or does Bapdada do it? (Everyone said: Bapdada.) This is why the bull is shown. Is he the vehicle of Shankar or of Shiva? (Everyone said: Shankar.) Shiva doesn't come in an animal. In whom does He come? He comes in a human being who thinks and churns. And Shiva comes in the one who is the head among those who think and churn. Then he is called Shankar. And on whom does Shankar put his entire burden? He puts on the bull. [He puts] the burden of the entire world [on it]. He himself remains busy in an incorporeal stage. He is shown on the Mount Kailash, isn't he? What does he himself do? He remains busy in remembrance. And who is the main *Rudragan*[13] on whom he puts his burden? Nandi. Bhringi is not the main one either. Who is the main one? Nandi.

समयः 40.24-41.50

जिज्ञासुः बाबा, त्रयंबकेश्वर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक मन्दिर है।

बाबाः ब्रह्म? ब्रह्मकेश्वर?

जिज्ञासुः त्रयंबकेश्वर।

बाबाः त्री अंबकेश्वर, तीन अंबाएं हैं। जो तीन अंबाएं हैं वो तो प्रसिद्ध हैं। क्या? लक्ष्मी अम्बा, सरस्वती अम्बा और जगदम्बा। ये तीन अम्बाएं तो प्रसिद्ध हैं। और तीनों अम्बाओं का ईश्वर कौन है? जो लिंग रूप में दिखाया जाता है। एक ही शिवबाबा।

जिज्ञासुः लेकिन वहाँ बाबा लिंग ही नहीं है। त्रिमूर्ति का मुखौटा लगाते हैं।

बाबाः अरे, ईश्वर, ईश्वरत्व। ईश माने शासन करना। वो शासन बिन्दी के ऊपर किया जाएगा या साकार के ऊपर किया जाएगा? (जिज्ञासु - साकार के ऊपर।) तो जिनके ऊपर शासन करने वाला त्रयंबकेश्वर होगा वो तीन मूर्तियाँ होनी चाहिए या नहीं होनी चाहिए? तो तीन मूर्तियाँ बनी हुई हैं। और?

Time: 40.24-41.50

Student: Baba, *Tryambakeshwar* temple has one of the 12 *jyotirlings*[14].

Baba: *Brahm*? *Brahmakeshwar*?

Student: *Tryambakeshwar.*

Baba: *Tri ambakeshwar*. There are three mothers (*ambaa*). The three mothers are famous. What? The mother Lakshmi, mother Saraswati and Jagdamba. These three mothers are

[12] The rosary of Rudra
[13] The followers of Rudra
[14] One of the several chief *Shivlings*

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

certainly famous. And who is the God (*Ishwar*) of the three mothers who is shown in *ling* form? Only one Shivbaba.
Student: But Baba, there is no *ling* at all there. They place the mask of *Trimurty*.
Baba: *Arey, Ishwar, Ishwaratwa*; *Ish* means to rule. Will he rule on a point or on the corporeal one? (Student: On the corporeal.) So, should there be three personalities on whom *Tryambakeshwar* rules or not? So, three personalities are made.

समयः 41.58-42.48

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में ब्रह्मा बाबा को भूत कहा जाता है बरमुडा ट्रायंगल वगैरह ।

बाबाः ट्रायंगल नहीं कहा जाता है। वो तो बड़ा मूल है।

जिज्ञासुः नहीं, ब्रह्मा बाबा को जो गालियाँ दी जाती है।

बाबाः गालियाँ हैं बडमूला?

जिज्ञासुः रिएक्शन क्या है?

बाबाः बडमूला कोई गाली है क्या?

जिज्ञासुः भूत कहा जाता है ना।

बाबाः भूत नहीं कहा जाता उनको, फरिश्ता कहा जाता है। भूत अलग होते हैं और फरिश्ते अलग होते हैं। भूत-प्रेत दुखदायी होते हैं। उनको ईविल सोल कहा जाता है। और फरिश्ते? सुखदायी होते हैं। काम संभालने वाले होते हैं।

Time: 41.58-42.48
Student: Baba, Brahma Baba is called the ghost of the Bermuda triangle, in the murli.
Baba: He is not called *Triangle*. In fact, he is the big root (*baraa muul*).
Student: No, the insulting words used for Brahma Baba.
Baba: Is *Barmuulaa* (Bermuda) a bad word?
Student: What is the reaction?
Baba: Is *Barmuulaa* a bad word?
Student: He is called a ghost, isn't he?
Baba: He is not called a ghost; he is called a *farishtaa* (angel). Ghosts are different and angels are different. Ghosts and spirits give sorrow. They are called *evil* souls; and what about the angels? They give happiness. They take care of your work.

समयः 42.51-44.04

जिज्ञासुः बाबा, भवानी माता कही जाती है ना।

बाबाः हाँ ।

जिज्ञासुः तो भवानी के कोई वारीस बनते है और कोई भूत बनते है। तो ऐसा क्यों है?

बाबाः तो कौन हुई भवानी? मुरली में आया है शिवबाबा से वर्सा मिलता है प्रजापिता को और प्रजापिता से किसको मिलता है? (सभी ने कहा - जगदम्बा को।) जगदम्बा को। फिर जगदम्बा सबको देती है नंबरवार। तो सबको वर्सा मिलता है या कोई भूत-प्रेत भी बन जाते हैं? भूत-प्रेत बनते हैं। भूत-प्रेत वो ही बनते हैं जो जगदम्बा के शरीर को याद करते हैं। आत्मा को नहीं देखते। आत्मिक दृष्टि नहीं होती है। इसलिए बोला है देवी के पुजारी हैं रावण संप्रदाय।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 42.51-44.04
Student: Baba, [goddess] Bhavani[15] is said to be the mother, isn't she?
Baba: Yes.
Student: So, some become the heirs of [the mother] Bhavani and some become ghosts. Why is it so?
Baba: So, who is Bhavani? It is mentioned in the murli that Prajapita gets the inheritance from Shivbaba and who gets it from Prajapita? (Everyone said: Jagadamba.) Jagadamba. Then Jagadamba gives to everyone number wise[16]. So, does everyone get the inheritance or do some also become ghosts and spirits? They also become ghosts and spirits. Only those, who remember Jagadamba's body become ghosts and spirits; they do not see the soul. They do not have a spiritual vision (*aatmik drishti*). This is why it has been said that the worshippers of the Devi (female deity) belong to the Ravan's community.

समयः 44.09-44.40

जिज्ञासुः कोसी नदी, इसका मतलब क्या बाबा?

बाबाः कोसना का अर्थ क्या होता है? (जिज्ञासुः उसका बांध टूट गया और ... ।) हाँ, हाँ, कोसने वाले को जब इतना गुस्सा आ जाए कि उसके गुस्से का बांध टूट जाए तो क्या करेगा? विनाश करेगा या स्थापना करेगा या पालना करेगा? विनाश ही करेगा।

Time: 44.09-44.40
Student: Baba, what is meant by river Kosi?
Baba: What is meant by '*kosnaa*'? (Student: The dam was broken and …) Yes, yes, when the one who curses becomes so angry that the dam of his anger breaks down, then what will he do? Will he cause destruction or will he bring about the establishment or will he sustain? He will certainly cause destruction.

समयः 44.43-46.07

जिज्ञासुः बाबा, गणेशोत्सव होता है उसमें एक छोटी मूर्ति रखते हैं और एक बड़ी मूर्ति रखते हैं। (बाबाः हाँ।) छोटी मूर्ति को डुबो देते हैं और बड़ी मूर्ति को रख देते हैं। (बाबा- हाँ।) दूसरी बात...

बाबाः एक बात एक बार में करो।

जिज्ञासुः ठीक है, इसका अर्थ बताइये शूटिंग के हिसाब से।

बाबाः दुनिया की ऐसी कोई बात नहीं जो तेरे पर लागू न होती हो। तो जो गणेश का पार्ट है मुख्य पार्ट वो किसका हुआ? गणेश का पार्ट भी मुख्य वो ही हुआ। सबसे ज्यादा दुनिया में देहअभिमानी सांढा लंबी नाक वाला कौन बनता है? (किसी ने कहा - प्रजापिता।) प्रजापिता को दिखाते हैं कि बकरे का मुख लगा दिया गया। मैं, मैं, मैं। जब तमोप्रधान बनता है तो महा देहअभिमानी बन जाता है। तो वो हुआ बड़ा गणेश। और ब्रह्मा बाबा हुए छोटा गणेश।

जिज्ञासुः डुबोने के बाद भी उनको पुकारते हैं एक साल के बाद आना गणपति बप्पा।

बाबाः वो तो रावण को हर साल बनाते हैं और बिगाड़ते हैं। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ।

[15] A title of the goddess Parvati
[16] More or less according to their capacity

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 44.43-46.07
Student: Baba, during the festival of Ganesh, a small idol and a big idol [of Ganesha] is kept. (Baba: Yes.) They drown the small idol and keep the big idol. (Baba: Yes.) Second thing is…
Baba: Speak one topic at a time.
Student: Alright, please tell me the meaning of this with respect to the shooting.
Baba: [It is said in the murli:] there is no topic in the world which is not applicable to you. So, who plays the main *part* of Ganesha? He himself plays the main *part* of Ganesha as well. Who becomes the most body conscious bull, the one with a long nose in the world? (Someone said: Prajapita.) It is shown for Prajapita that the face of a goat was fixed [on his body]. [He used to say:] *Mai, mai, mai* (I, I, I). When he becomes *tamopradhaan*, he becomes the most body conscious one. So, he is the big Ganesha. And Brahma Baba is the small Ganesha.
Student: Even after drowning him, they call him [saying:] 'Ganapati *Bappa*, please come again after a year'.
Baba: [Effigy of] Ravan is also prepared every year and then destroyed. (Student said something.) Yes.

समयः 46.08-51.09

जिज्ञासुः बाबा, द्रोणाचार्य एकलव्य से अंगूठा क्यों ले लेते हैं?

बाबाः उनका नाम ही है द्रोण आचार्य। किसका आचार्य? द्रोण माने घड़ा। जो ज्ञान घड़ा है वो घड़ा जो है मिट्टी का होता है, उस ज्ञान घड़े को जो मिट्टी का पात्र है, उसका मुखिया है, आचार्य है। वो शास्त्रों का आचार्य कहा जाता है। जितने भी आचार्य हुए उन आचार्यों में बड़े ते बड़ा नाम किसका गाया हुआ है? (जिज्ञासु - द्रोणाचार्य।) द्रोणाचार्य। तो जो आचार्य हैं उन बड़े-बड़े गुरुओं को ठगत कहेंगे या भगवान का सच्चा भक्त कहेंगे? इतने देहअभिमानी होते हैं कि दुनिया को दिखाने के लिए कहते हैं कि अर्जुन मेरा सच्चा भक्त है, सच्चा शिष्य है। अच्छे से अच्छा शिष्य है। लेकिन ज्यादा पढ़ाई अपने बच्चे को पढ़ाते हैं या अर्जुन को पढ़ाते हैं? अश्वत्थामा को पढ़ाई पढ़ाते हैं अकेले बैठकरके। ये पार्शलिटी देह अभिमान का सूचक है या आत्म अभिमान का सूचक है? (सभी ने कहा - देह अभिमान का।) और एकलव्य का तो सच्चा ही नाश कर देते हैं। एकलव्य में गुरु के प्रति कितनी श्रद्धा थी। द्रोणाचार्य ने मना कर दिया - नहीं पढ़ाएंगे। तो भी क्या किया? उसका श्रद्धा विश्वास टूट गया क्या? नहीं टूटा। उसने मूर्ति बनाई। जड़ मूर्ति बनाकरके और बाण विद्या सीखी। तो उसकी श्रद्धा, विश्वास और निष्ठा को नहीं देखा। उसका अंगूठा ही काट लिया। अंगूठा काटना माना? आत्मा जो है अंगुष्ठाकार समझते हैं शास्त्रों में। उसकी आत्मिक स्टेज खत्म कर दी। ये शास्त्रकारों की बात है।

Time: 46.08-51.09
Student: Baba, why does Dronacharya[17] take the thumb from Eklavya[18]?
Baba: His name itself is *Dron acharya*. What kind of *acharya* (teacher)? *Dron* means pot. The pot of knowledge that is made of clay; he is the head, the teacher of that pot of knowledge which is a clay utensil. He is called the teacher of scriptures. Who is most famous

[17] Name of a teacher of the Kaurvas and the Pandavas
[18] Name of a king of the Nishadas; Baba gives the unlimited meaning as 'the one who loves the One'.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

of all the teachers? (Student: Dronacharya.) Dronacharya. So, will those *acharyas*, the big gurus be called cheats (*thagat*) or the true devotees (*bhakta*) of God? They are so body conscious that in order to show off to the world they say: Arjun is my true devotee, true disciple. He is the best disciple, but do they teach more knowledge to their own son or to Arjun? He teaches the knowledge to Ashwatthama privately. Does this partiality indicate body consciousness or is it a sign of soul consciousness? (Everyone said: Of body consciousness.) And as regards Eklavya, he (Dronacharya) brings about complete ruination of him. Eklavya had so much devotion for his guru. Dronacharya refused to teach him. Still what did he do? Did he lose devotion and faith? He did not. He made an idol [of his guru]. He made a non-living idol and learnt archery (*baan vidyaa*). So, he (Dronacharya) did not see his belief, faith and devotion. He cut his thumb. What is meant by cutting the thumb? A soul is considered to be in the shape of a thumb in the scriptures. His soul conscious stage was destroyed. This is something said by the writers of scriptures (*shaastrakaar*).

ब्राह्मणों की दुनिया में भी ऐसे-ऐसे शास्त्रकार हैं या नहीं हैं? जो शास्त्रों को ही महत्व देते हैं। मुरली के पत्तों को ही महत्व देते हैं। ऐसे द्रोणाचार्य असलियत को नहीं पहचानते। तो एकलव्य का अंगूठा काट लिया जो एक को लव करने वाला है। वो एक को लव करने वाला निराकार को याद करता है या साकार को याद करता है? हँ? चाहे निराकार बिन्दी को याद करे, चाहे निराकारी स्टेज वाले को याद करे, वो करता निराकार को याद है। इसलिए उस एक को लव करने वाले का नाम एकलव्य शास्त्रों में रख दिया। अंगूठा काटने का मतलब है जब लास्ट विनाश होगा तो वो एकलव्य देह अभिमानी बन जाएगा या आत्माभिमानी बन करके दुनिया का विनाश कराने के निमित्त बनेगा? (सबने कहा - देहाभिमानी।) राम ही रावण बन जावेगा। आज भी मुरली में क्या बोला? ज्यादा तंग करेंगे तो विनाश कराय दूंगा। ये तंग निराकार होता है या साकार होता है? साकार ही तंग हो सकता है। निराकार तो कभी तंग होता ही नहीं। वो तो है ही सदा शिव।

जिज्ञासुः बाबा विनाश के लिए तो शक्तियों को निमित्त बनाया है ना।

बाबाः देखने में शक्तियाँ आती हैं लेकिन करावनहार कौन है?

Are there such *shaastrakaar* in the world of Brahmins as well or not? They give importance only to the scriptures. They give a lot of importance only to the papers of murli. Such Dronacharyas do not recognize the truth. So, he cut the thumb of Eklavya, the one who loves the One (*ek*). Does that person, who loves the One, remember the incorporeal one or the corporeal one? Whether he remembers the incorporeal point or the one who is in an incorporeal *stage*, but he remembers the incorporeal one. This is why the one who loves the One has been named Eklavya in the scriptures. To cut the thumb means that when the *last* destruction takes place, will that Eklavya become body conscious or will he become soul conscious and become the instrument to cause the destruction of the world? (Students: Body conscious.) Ram himself will become Ravan. What was said in today's murli as well? If you trouble [me] more, I will cause destruction. Does the incorporeal one feels troubled or does the corporeal one feels troubled? Only the corporeal one can feel troubled. The incorporeal one never feels troubled at all. He is certainly *Sadaa Shiv* (always beneficial).

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, the *shaktis*[19] have been made the instrument for the destruction, haven't they?
Baba: It is the *shaktis* who are visible to the eyes, but who is the one who makes them act (*karaavanhaar*)?

समयः 51.15-52.44

जिज्ञासुः बाबा, लक्ष्मी का अर्थ क्या है?

बाबाः लक्ष्य का अर्थ क्या है? मी माना मुझमें। और लक्ष्य माने लक्ष्य, एम आब्जेक्ट। मेरे में जितना लक्ष्य समाया हुआ है ये नारायण रूपी इतना लक्ष्य और किसी में समाया हुआ नहीं है। माना नारायण साकार है या निराकारी स्टेज वाला शंकर है? साकार है। संपन्न रूप है। वो संपन्न रूप और उसकी याद जो मुरली में बोला है सबसे अच्छा पुरुषार्थ है, सहज पुरुषार्थ है नारायण को याद करना। और ये अच्छे ते अच्छा पुरुषार्थ उस साकार नारायण के असली स्वरूप को याद करने का पुरुषार्थ कौनसी आत्मा करती है? लक्ष्मी करती है। इसको लक्ष्य प्राप्त हो जाता है। जितना उसको लक्ष्य प्राप्त होता है उतना वो लक्ष्य और किसी को प्राप्त नहीं होता। इसलिए नाम लक्ष्मी है।

Time: 51.15-52.44
Student: Baba, what is the meaning of Lakshmi?
Baba: What is the meaning of *lakshya* (aim)? *Mi* means 'in me' and *lakshya* means the goal, the *aim* and objective. [It means] the extent to which the goal in the form of Narayan is contained in me, it is not contained in anyone else to that extent. It means, is Narayan corporeal or is he [like] Shankar with an incorporeal *stage*? He is corporeal. He is a complete form. It has been said for that complete form and its remembrance in the murli that the best *purushaarth*, the easy *purushaarth* is to remember Narayan. And which soul makes this best *purushaarth*, the *purushaarth* of remembering the true form of that corporeal Narayan? Lakshmi. She attains that goal. Nobody else attains the goal (*lakshya*) to the extent she does. This is why her name is Lakshmi.

[19] Consorts of Shiva

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info